उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग
मुख्य परीक्षा-2019
(सामान्य हिंदी)
मॉडल पेपर-1

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 150**

नोट:

(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रत्येक प्रश्न के अंक प्रश्न के अंत में अंकित हैं।

(iii) पत्र, प्रार्थना-पत्र या किसी अन्य प्रश्न के उत्तर के साथ अपना अथवा अन्य का नाम, पता एवं अनुक्रमांक न लिखें। आवश्यक होने पर क, ख, ग लिख सकते हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िये और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

मनुष्य समाज में रहता है और समाज से अत्यधिक प्रभावित होता है। उसका व्यक्तित्व तथा आचरण बहुत दूर तक उन लोगों द्वारा रूपायित होता है जिनकी संगति में वह रहता है। यदि वह शराबियों, बदमाशों की संगति में रहता है तो वह निश्चय ही उन बुराइयों को ग्रहण कर लेगा। दूषणों/बुराइयों की ओर आकृष्ट होना सुगम है। दूसरी ओर यदि हम सद्‌गुणी लोगों की संगति में रहते हैं, तो हम उनके सद्‌गुणों को धारण कर सकेंगे। विद्वानों की संगति हमें विद्वान बनाएगी। हम बुरी या अच्छी संगति से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकते। मनुष्य मूलत: भला और श्रेष्ठतर बनना चाहता है, किंतु बुरी संगति उसे बिगाड़ सकती है, भ्रष्ट और नष्ट कर सकती है। जहाँ तक संभव हो, हमें बुरी संगति से बचना चाहिये। एकांत का अपना आनंद और लाभ है। इससे व्यक्ति सब बुरे प्रभावों से दूर रहता है। हमारा मन अपने में एक पूरा संसार है। बुरी संगति से बचने का एक अच्छा तरीका अच्छी पुस्तकें पढ़ने की आदत को विकसित करना है। ऐसी पुस्तकें ज्ञान तथा विवेक के कोष हैं। हमारी सुखद और दुखद मनोदशाओं में वे हमें प्रेरित करती हैं और हमें प्रसन्नता प्रदान करती हैं।

(क) प्रस्तुत गद्यांश का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिये। 5

(ख) उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर व्यक्ति पर समाज के प्रभाव को स्पष्ट कीजिये। 5

(ग) उपर्युक्त गद्यांश के रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिये। 20

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निर्देशानुसार उत्तर लिखिये:

भाषा एक माध्यम है, जिसके द्वारा मानव अपने भावों-विचारों का आदान-प्रदान करता है। साहित्य के निर्माण का भी यही लक्ष्य है। वह साहित्य जो व्यक्तिगत सुख के लिये लिखा जाता है, उसकी कोई कीमत नहीं है। अर्थात् ऐसे साहित्य का कोई मूल्य नहीं है। एक सच्चा साहित्य तो वह है जो संपूर्ण मानव समाज को लक्षित करके लिखा जाता है। जो साहित्य मानव समाज के अज्ञान को दूर करके उसे निर्भीक, उन्नत, ज्ञान संपन्न और स्वावलंबी बना सकता है, वह साहित्य ही वास्तविक साहित्य है तथा यही साहित्य मानव समाज की अक्षय निधि है। जो साहित्य मनुष्य को दूसरों पर निर्भर रहने से बचाकर उसे स्वावलंबी बनाता है, वही सच्चा साहित्य है। साहित्य मानव जाति के उच्च-से-उच्च और सुंदर-से-सुंदर विचारों तथा भावों का एक गुच्छ है जिसकी बाहरी सुंदरता और भीतरी सुगंध दोनों ही मन मोह लेती हैं। साहित्य मानव के भावों एवं विचारों को उन्नत बनाता है इसलिये किसी राष्ट्र के उत्थान में उस राष्ट्र के साहित्य की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।

(क) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिये। 5

(ख) मानव-समाज के लिये साहित्य के महत्त्व को स्पष्ट कीजिये। 5

(ग) प्रस्तुत गद्यांश का संक्षेपण कीजिये। 20

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(क) एक शासकीय पत्र का प्रारूप तैयार कीजिये जिसे मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश, लखनऊ को उद्योग मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली की ओर से भेजा गया हो, जो शिक्षित बेरोज़गारों को ऋण सुविधा उपलब्ध कराने से संबंधित हो। 10

(ख) अधिसूचना से आप क्या समझते हैं? इसकी विशेषताओं का उल्लेख करते हुए अधिसूचना का एक प्रारूप प्रस्तुत कीजिये। 10

4. निम्नलिखित उपसर्गों/प्रत्ययों से एक-एक शब्द की रचना कीजिये: 10

उत्, प्रति, इमा, आयत, अ, इनी, चिर, ईय, वाँ, सह

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिये: 10

एकत्र, अंतर्द्वंद्व, वंदनीय, तप्त, परिगृहीत, बर्बर, लालसा, इष्ट, ऋद्धि, भंजक

6. (क) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिये: 5

(i) हिमालय पर्वत सबसे ऊँचा पर्वत है।

(ii) मेरा अनुग्रह है कि आप मेरे घर आने का आग्रह करें।

(iii) मधुरता सौंदर्यता का शृंगार है।

(iv) साहित्य और जीवन का घोर संबंध है।

(v) भारत की आज वर्तमान स्थिति ठीक नहीं है।

(ख) निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी का संशोधन कीजिये: 5

अक्षोहिणी, उपन्यासिक, पक्षीगण, श्रृंखला, मान्यनीय

7. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिये एक-एक शब्द लिखिये: 10

(i) सूर्योदय से पहले का समय

(ii) किसी विचार को कार्यरूप में बदलना

(iii) जो प्रमाण से सिद्ध न हो सके

(iv) किसी काम या व्यक्ति में त्रुटियों को ढूंढने का काम

(v) जिसका आदर न किया गया हो

8. निम्नलिखित मुहावरों/लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिये: 30

(i) एक पंथ दो काज

(ii) नीम न मीठा होय सींचो गुड़ घी से

(iii) डूबते को तिनके का सहारा

(iv) कर बहियाँ बल आपनी छोड़ पराई आस

(v) खून-पसीना एक करना

(vi) काया पलट होना

(vii) बीती ताहि बिसार दे आगे की सुधि लेय

(viii) एक के तीन बनाना

(ix) प्राण हथेली में लेना

(x) कलेजा पानी होना